मॅरी स्टॉप्स :- एक आशा की किरण

आप या आपके किसी रिश्तेदार या जानकार ने अपनी ज़िंदगी में कभी ना कभी मॅरी स्टॉप्स की कोई ना कोई सुविधाएं ज़रूर ली होगी या आगे भी लेंगे. गर्भपात - महिलाओं की आंतरिक और प्राकृतिक जरूरतों को हमारे समाज की कुंठित सोच ने उन्ही महिलाओं को अपने ही शरीर पर अधिकार से वंचित कर दिया है

मॅरी स्टॉप्स - मिशन : "बच्चा अपनी मर्ज़ी से, अचानक नहीं" .

हमारे निम्न आंतरिक मूल्यों ने हमें मजबूत मानसिक शक्ति प्रदान किया है –

1) मिशन द्वारा संचालित

2) रोगि/ मानव केंद्रित

3) जवाबदेही

4) साहसिक

बिहार और राजस्थान में मॅरी स्टॉप्स के मेहनती कर्मचारी, चिकित्सक और स्वास्थ्य परिचारिकाएँ(नर्स) मिलकर इस महा सामाजिक चुनौतियों का डटकर सामना कर रहे हैं और 50 से ज़्यादा जिलों में अपनी सेवा पहुँचा रहे हैं. हर मॅरी स्टॉप्स कर्मचारी का मिशन के प्रति उभार और समर्पितता उन तमाम महिलाओं के किए वरदान से कम नहीं है जो पुरुष प्रधान सामाजिक व्यवस्था से एक अभेद्य युद्ध लगातार लड़ रही हैं. यह युद्ध अपने शरीर के ऊपर खुद के अधिकार के लिए है

हर एक महिला के चिकित्सकीय ज़रूरतों को अपने लिए एक चुनौती मानते हुए , मॅरी स्टोप्स के साहसिक कर्मचारी स्टाफ पूरी जवाबदेही के साथ अपने चुने हुए रास्ते पर अग्रसर हैं. चाहे वो, पुरुष/महिला नसबंदी हो, शल्य गर्भपात

हो या फिर परिवार नियोजन विधि हो, मॅरी स्टॉप्स भारत सरकार और राज्य सरकारों के साथ मिलकर बखूबी सेवाएं प्रदान कर रही है. ये साहसी स्टाफ, सामाजिक आलोचना से परे और बिना डरे अपने कार्य के प्रति निष्ठावान तरीके से चलायमान हैं. तेज सूरज की किरणों, मूसलधार वर्षा की प्रहारें, प्राकृतिक आपदाएँ और हाल के कोरोना/ कोविड 2019 भी इन के आगे बेअसर रहे हैं. बिहार राज्य की दुर्गम सड़क रास्ते हों या राजस्थान प्रदेश की महिलाओं की तरफ देखनें की प्राचीन और रूढ़िवादी व्यवस्था, ये जाँबाज़ बहादुर मॅरी स्टॉप्स के मेहनती कर्मचारी अपने मिशन पर लक्ष्यभेद के मजबूत इरादे से सदा अग्रसर हैं

बेस क्लिनिक से हर सुबह अपनी पूरी टीम के साथ, मेडिकल चिकित्सा उपकरणों को लेकर एक पूर्व निश्चित जिले में सरकारी चिकित्सालय को अपना कार्य क्षेत्र बनाकर उस जिले और गाँव के लोगों को नसबंदी, शल्य गर्भपात और परिवार नियोजन की सेवा को लगातार प्रदान करना यह सेवा उन महिलाओं, पुरुषों और छोटे बालिकाओं के लिए वरदान से कम नहीं है, वो भी तब, जब आसपास 10 या 20 km तक कोई चिकित्सालय, चिकित्सा के साधन और चिकित्सक दोनों की उपलब्धता ना के बराबर हो. महिलाओं के शरीर में होने वाले प्राकृतिक मासिक बदलाव और संबंधित रोग जटिल इसलिए भी हो जाते हैं क्योकि आज भी लाखों भारतीय महिलाएँ अपने इस चिकित्सकीय ज़रूरतों को ठीक से बताने में बहुत शर्म और हया महसूस करती हैं.

हमें ज़रूरत है तो मॅरी स्टॉप्स जैसी सेवाओं की जो निश्छल ही इस सेवा को भारत के गाँव गाँव में पहुँचाकर महिलाओं को अपने चिकित्सकीय ज़रूरतों के निवारण का रास्ता प्रदान करते हैं

संजीव सेहगल

प्रोजेक्ट मैनेजर - FRHS India